बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि महोत्सव के सम्मान में सत्संग

रविवार, १८ अक्टूबर, २०२०

आत्मीय पाठकगण,

नमस्ते! *Saludos!* こんにちは *Herzliche Grüße! Salut!*

सिद्धयोगियों के लिए पूर्ण चन्द्र—ऊपर आकाश में देदीप्यमान चन्द्र—असाधारण महत्त्व रखता है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि कई सारे महोत्सव जिन्हें हम सिद्धयोग पथ पर मनाते हैं, वे पूर्णिमा के दिन होते हैं। पूर्णिमा पर हम मनाते हैं, गुरुपूर्णिमा, बाबा जी का जन्मदिवस, रक्षाबन्धन, होली पूर्णिमा और जी हाँ, बाबा मुक्तानन्द का महासमाधि दिवस।

सन् १९८२ में २ अक्टूबर का पूर्ण चन्द्र इतनी तेजस्विता के साथ जगमगा रहा था कि ऐसा चन्द्र पृथ्वी पर कुछ ही लोगों ने उससे पहले कभी देखा होगा। वह बाबा जी का चन्द्र था; स्वर्ग, बाबा जी के परम चिति में विलीन होने का उत्सव मना रहा था। यह सोचकर मैं मन्त्रमुग्ध-सा रह जाता हूँ कि इस ग्रह पर बाबा जी का जन्म वैशाख पूर्णिमा यानी मई माह की पूर्णिमा को हुआ और उन्होंने अमृत पूर्णिमा की रात यानी शरद पूर्णिमा की रात को इस लोक से गमन किया।

इस वर्ष वैश्विक महामारी ने लोगों के रोज़मर्रा के जीवन को बहुत अस्तव्यस्त कर दिया है इसलिए एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन, सिद्धयोग शक्तिपात ध्यान-शिविर का आयोजन नहीं कर रहा है।

कुछ दिन पूर्व जब गुरुमाई जी को पता चला की एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन शक्तिपात ध्यान-शिविर का आयोजन नहीं कर रहा है तो श्रीगरुमाई ने यह निर्देश दिया कि उन्होंने इस वर्ष के आरम्भ में शक्तिपात ध्यान-शिविर के लिए जो शीर्षक प्रदान किया था, उसे बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि के सम्मान में होने वाले महोत्सव सत्संग के शीर्षक के रूप में लिया जाए।

इसलिए इस सिद्धयोग महोत्सव सत्संग का शीर्षक है :

दिव्य विश्रान्ति के लोक में वास करो

यह सत्संग श्री मुक्तानन्द आश्रम स्थित भगवान नित्यानन्द मन्दिर से सीधे वीडिओ प्रसारण द्वारा आयोजित होगा। श्रीगुरुमाई आपको आमन्त्रित कर रहीं हैं कि आप इस सत्संग में भाग लें।

तारीख़ : शनिवार, ३१ अक्टूबर, २०२०
समय : प्रातः ९:३० से दोपहर १२:३० बजे तक, ईस्टर्न डेलाईट टाइम, यू. एस. ए.

स्थान : सिद्धयोग पथ की वेबसाइट के माध्यम से सिद्धयोग वैश्विक हॉल

सत्संग के लिए कृपया नीचे दिए गए तरीक़ों से तैयारी करें :

- सहस्रार के विषय में सिद्धयोग सिखावनियों को पढ़ें व उनका अध्ययन करें
  - बाबा मुक्तानन्द की पुस्तक 'कुण्डलिनी : जीवन का रहस्य' से उद्धरण को पढ़ें।
  - स्वामी कृपानन्द की पुस्तक '*The Sacred Power*' को पढ़ें।
  - अपनी अन्तर्दृष्टियों को अपने साधना-जर्नल में लिख लें।
- ऐसा स्थान तैयार कर लें जो अध्ययन के लिए सहायक हो।
  - यह सुनिश्चित करें कि आपको जिस भी सामग्री की आवश्यकता हो, वह सब आपके पास है, जैसे आसन, शॉल और आपका साधना-जर्नल।
  - श्रीगुरुगीता के पाठ के लिए स्वाध्याय सुधा लेकर आएँ।

आदर सहित,

स्वामी ईश्वरानन्द

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।